

## बरेली जन सेवा केंद्र में बन रहे थे फर्जी आधार-पैन, 3 गरिफ्तार!

### वर्षिय सूची (Table of Contents):

- >> बरेली में जन सेवा केंद्र पर पुलिस का बड़ा एक्शन फर्जी दस्तावेज बनाने वाले रैकेट...
- >> खुफिया सूचना के आधार पर हुई कार्रवाई...
- >> डजिटल अपराध पर बरेली पुलिस का कड़ा प्रहार...
- >> जन सेवा केंद्र की आड़ में चल रहा था नकली कागजातों का खेल...
- >> विश्वास की आड़ में बड़ा विश्वासघात...
- >> पहचान पत्रों का अवैध व्यापार...
- >> पुलिस छापेमारी भारी मात्रा में फर्जी आधार और पैन कार्ड जब्त...
- >> बरामद सामग्रियों की वस्तु सूची (PDF List)...
- >> तकनीकी उपकरणों का दुरुपयोग...
- >> पुलिस की गरिफ्त में तीन मुख्य आरोपी, बरेली पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी...
- >> आरोपियों की पहचान और उनकी पृष्ठभूमि...
- >> कानून व्यवस्था की बड़ी जीत...
- >> पूछताछ में खुलासा कैसे तैयार किए जाते थे ये फर्जी सरकारी दस्तावेज...
- >> क्लोनिंग और एडिटिंग का खेल...
- >> अवैध सर्वर और फर्जी पोर्टल का इस्तेमाल...
- >> फर्जी दस्तावेजों के नेटवर्क को खंगालने में जुटी पुलिस, आगामी कानूनी कार्रवाई...
- >> बैंकों और वित्तीय संस्थानों से सांठगांठ की जांच...
- >> कड़ी कानूनी धाराओं के तहत दर्ज हुआ मुकदमा...
- >> नागरिकों के लिए जरूरी सतर्कता फर्जी जन सेवा केंद्रों की पहचान कैसे करें...
- >> अधिकृत जन सेवा केंद्र की पहचान के मुख्य तरीके...
- >> फर्जीवाड़े की शकियत कहां करें?...
- >> नष्टिकर्ष...
- >> आपके सवाल, हमारे जवाब...

उत्तर प्रदेश के बरेली जिले से जालसाजी और धोखाधड़ी का एक बेहद हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां पुलिस ने एक ऐसे गश्ति का पर्दाफाश किया है जो जन सेवा केंद्र की आड़ में बड़े पैमाने पर अवैध गतिविधियों को अंजाम दे रहा था। इस कार्रवाई के बाद से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है।

इंटरनेट और डजिटल सेवाओं के इस दौर में जहां लोग अपनी सहूलियत के लिए इन केंद्रों पर निर्भर हैं, वही कुछ अपराधी इसका गलत फायदा उठा रहे हैं। आइए इस पूरे मामले को विस्तार से समझते हैं कि आखिर बरेली पुलिस ने किस तरह इस बड़े रैकेट को बेनकाब किया।

## बरेली में जन सेवा केंद्र पर पुलिस का बड़ा एक्शन: फर्जी दस्ता

बरेली पुलिस प्रशासन को पछिले काफी समय से गुप्त सूचनाएं मिल रही थी कि क्षेत्र में कुछ लोग अवैध रूप से सरकारी पहचान पत्रों के साथ छेड़छाड़ कर रहे हैं। इस latest update के आते ही पुलिस विभाग ने एक विशेष टीम का गठन किया और योजनाबद्ध तरीके से संदिग्ध ठिकानों पर नजर रखनी शुरू कर दी।

## खुफिया सूचना के आधार पर हुई कार्रवाई

पुलिस को जैसे ही पुरता सबूत मिले, वैसे ही बिना किसी देरी के चहिनति किए गए जन सेवा केंद्र पर छापेमारी की योजना बनाई गई। स्थानीय पुलिस और तकनीकी सेल की संयुक्त टीम ने मिलकर इस सफल ऑपरेशन को अंजाम दिया, जिससे अपराधियों को भागने का मौका भी नहीं मिल सका।

## डिजिटल अपराध पर बरेली पुलिस का कड़ा प्रहार

साल 2026 में डिजिटल सुरक्षा एक बड़ी चुनौती बनकर उभरी है। ऐसे समय में बरेली पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई ने यह साफ कर दिया है कि साइबर और प्रशासनिक नियमों का उल्लंघन करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। इस रैकेट का भंडाफोड़ होने से भवष्य में होने वाले कई वृत्तीय अपराधों को पहले ही रोक दिया गया है।

## जन सेवा केंद्र की आड़ में चल रहा था नकली कागजातों का खेल

यह पूरा मामला जन सेवा केंद्र (Common Service Center) की आड़ में चलाया जा रहा था। सामान्य तौर पर लोग यहां अपना आधार कार्ड अपडेट कराने, नया आवेदन करने (apply online) या विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए आते हैं। लेकिन अपराधियों ने इसे अपनी अवैध कमाई का जरिया बना लिया था।

## वश्ट्वास की आड़ में बड़ा वश्ट्वासघात

ग्रामीण और सीधे-साधे शहरी लोग जिन कागजातों को असली समझकर भारी रकम चुकाकर ले जा रहे थे, वे वास्तव में पूरी तरह से नकली थे। इस केंद्र के संचालक ने भोले-भले नागरिकों के भरोसे का फायदा उठाया और उनके भवष्य को खतरे में डालने का काम किया।

## पहचान पत्रों का अवैध व्यापार

जांच में सामने आया है कि यह गतिह न केवल लोगों को नकली दस्तावेज बनाकर देता था, बल्कि इसके बदले मोटी रकम भी वसूलता था। यह सीधे तौर पर देश की आंतरिक सुरक्षा और नागरिकों की व्यक्तिगत गोपनीयता (Data Privacy) से जुड़ा एक गंभीर खलिवाड़ था। ऐसे दस्तावेजों के बारे में अधिक जानने के लिए आप पढ़ सकते हैं कि आधार-पैन-वोटर ID से नागरिकता नहीं! जानें कौन सा दस्तावेज बनाता है भारतीय? जो इस विषय पर गहराई से प्रकाश डालता है।

## पुलिस छापेमारी: भारी मात्रा में फर्जी आधार और पैन कार्ड जब्त

जब पुलिस टीम ने बरेली स्थिति जन सेवा केंद्र के परिसर के भीतर कदम रखा, तो वहां का नजारा देखकर खुद अधिकारी भी दंग रह गए। केंद्र के अंदर अवैध रूप से नकली सरकारी पहचान पत्र बनाने की पूरी फैक्ट्री चल रही थी। पुलिस ने मौके से भारी मात्रा में डिजिटल उपकरण और फर्जी दस्तावेज बरामद किए हैं।

## बरामद सामग्रियों की वस्तुतः सूची (PDF List)

- >> सैकड़ों की संख्या में तैयार किए गए फर्जी आधार कार्ड और पैन कार्ड।
- >> अवैध रूप से उपयोग किए जा रहे हाई-टेक कंप्यूटर, स्कैनर और लेमिनेशन मशीनें।
- >> दर्जनों फर्जी होलोग्राम और सरकारी विभागों के नकली मुहर एवं प्रतीक चिह्न।
- >> बड़ी संख्या में खाली प्लास्टिक कार्ड्स (PVC Cards) जिनका इस्तेमाल छपाई के लिए होना था।

## तकनीकी उपकरणों का दुरुपयोग

अपराधी विभिन्न प्रकार के क्लोन सॉफ्टवेयर का उपयोग करके असली जैसे दिखने वाले पहचान पत्र तैयार कर रहे थे। पुलिस ने सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को सीज कर दिया है और उनकी फॉरेंसिक जांच कराने की तैयारी की जा रही है ताकि गतिह के पूरे डेटाबेस का पता लगाया जा सके।

## पुलिस की गतिह में तीन मुख्य आरोपी, बरेली पुलिस को माली बड़

इस पूरी छापेमारी के दौरान पुलिस ने मौके से भागने का प्रयास कर रहे तीन मुख्य आरोपियों को रंगे हाथों गतिहतार कर लिया। इन आरोपियों की गतिहतारी बरेली पुलिस के लिए एक बड़ी सफलता मानी जा रही है, क्योंकि इनके पकड़े जाने से एक बहुत बड़ा नेटवर्क ध्वस्त हो गया है।

## आरोपियों की पहचान और उनकी पृष्ठभूमि

गरिफ्तार किए गए आरोपियों में केंद्र का मुख्य संचालक और उसके दो सहयोगी शामिल हैं जो तकनीकी रूप से काफी सक्षम थे। पुलिस ने इनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की विभिन्न गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस द्वारा जारी आधिकारिक फोटो क्रेडिट (Photo Credit: Bareilly Police) के अनुसार, तीनों आरोपियों को जेल भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

## कानून व्यवस्था की बड़ी जीत

इस बड़ी सफलता के बाद वरिष्ठ अधिकारियों ने पुलिस टीम की पीठ थपथपाई है। इस कार्रवाई से क्षेत्र के अन्य अवैध रूप से चल रहे कंप्यूटर केंद्रों में भी खौफ का माहौल है। वहीं दूसरी ओर, वैश्विक और अन्य महत्वपूर्ण रोजगार नीतियों को समझने के लिए आप हमारी रिपोर्टबंदरगाह श्रमकों के लिए नए लेबर कोड के फायदे भी देख सकते हैं। इसके अलावा खेल जगत की हलचल के एंबेजामनि सेस्को की खबर भी पढ़ सकते हैं।

## पूछताछ में खुलासा: कैसे तैयार किए जाते थे ये फर्जी सरकारी दस

गरिफ्तारी के बाद जब पुलिस ने आरोपियों को रमांड पर लेकर कड़ाई से पूछताछ की, तो उन्होंने अपनी कार्यप्रणाली (Modus Operandi) को लेकर कई चौकाने वाले खुलासे किए। पूछताछ में सामने आया कि वे बेहद शांत तरीके से इस गोरखधंधे को अंजाम दे रहे थे।

## क्लोनिंग और एडिटिंग का खेल

आरोपी असली दस्तावेजों के स्कैन किए गए वर्जन को विशेष संपादन सॉफ्टवेयर (Editing Software) की मदद से बदल देते थे। वे किसी अन्य व्यक्तिकी फोटो पर दूसरे व्यक्तिकी नाम और पता बड़ी सफाई से लगा देते थे, जिससे पहली नजर में असली और नकली का अंतर करना लगभग असंभव हो जाता था।

## अवैध सर्वर और फर्जी पोर्टल का इस्तेमाल

पूछताछ में यह भी पता चला कि ये लोग कुछ ऐसे अनधिकृत और डार्क वेब से जुड़े पोर्टल्स का इस्तेमाल कर रहे थे जो हूबहू आधिकारिक सरकारी वेबसाइटों जैसे दिखते थे। ग्राहक जब अपना स्टेटस चेक (check status) करने की मांग करते थे, तो उन्हें इन्हीं फर्जी लिंक के माध्यम से गुमराह कर दिया जाता था।

## फर्जी दस्तावेजों के नेटवर्क को खंगालने में जुटी पुलिस, आगामी

बरेली पुलिस का मानना है कि यह मामला सिर्फ एक केंद्र तक सीमित नहीं है। इस गरीब के तार राज्य के अन्य जिलों और संभावित रूप से अंतरराज्यीय स्तर पर भी जुड़े हो सकते हैं। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क की जड़ों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है।

## बैंकों और वित्तीय संस्थानों से सांठगांठ की जांच

पुलिस इस बात की भी बारीकी से तफ्तीश कर रही है कि इन फर्जी पहचान पत्रों का उपयोग कहीं बैंकों से अवैध लोन लेने, समि कार्ड खरीदने या अन्य आपराधिक गतिविधियों में तो नहीं किया गया है। उन सभी खातों की जांच की जा रही है जो इस जन सेवा केंद्र के माध्यम से खोले या अपडेट किए गए थे।

## कड़ी कानूनी धाराओं के तहत दर्ज हुआ मुकदमा

पकड़े गए तीनों आरोपियों के खिलाफ जालसाजी, धोखाधड़ी, सरकारी दस्तावेजों के दुरुपयोग और आईटी एक्ट की धाराओं के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस कोर्ट से सख्त सजा दिलाने के लिए पुख्ता चार्जशीट तैयार करने में जुटी है ताकि समाज में एक कड़ा संदेश जाए।

## नागरिकों के लिए जरूरी सतर्कता: फर्जी जन सेवा केंद्रों की पहचान

इस तरह की घटनाओं से बचने के लिए आम नागरिकों को भी बेहद सतर्क और जागरूक रहने की आवश्यकता है। किसी भी असुवधा से बचने के लिए हमेशा सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त और अधिकृत केंद्रों का ही रुख करना चाहिए।

## अधिकृत जन सेवा केंद्र की पहचान के मुख्य तरीके

>> आधिकारिक प्रमाण पत्र देखें: हर वैध जन सेवा केंद्र के पास सरकार द्वारा जारी किया गया प्रमाण पत्र (Certificate) होता है, जिसे उन्हें केंद्र पर प्रदर्शित करना अनिवार्य होता है।

>> निर्धारित शुल्क सूची: अधिकृत केंद्रों पर हर सेवा (जैसे आवेदन, प्रॉबिंग, स्टेटस चेक) के लिए सरकार द्वारा तय की गई फीस की सूची दीवार पर लगी होती है। यदि कोई आपसे अत्यधिक पैसे मांग रहा है, तो सतर्क हो जाएं।

>> ऑनलाइन वेरिफिकेशन: आप हमेशा आधिकारिक सरकारी पोर्टल पर जाकर अपने नजदीकी वैध जन सेवा केंद्र की सूची (List) में उस केंद्र का नाम वेरिफाई कर सकते हैं।

## फरजीवाड़े की शिकायत कहां करें?

यदि आपको किसी भी कंप्यूटर केंद्र या जन सेवा केंद्र की गतिविधियों पर जरा भी संदेह होता है, तो तुरंत इसकी सूचना अपने नजदीकी पुलिस स्टेशन या जिला प्रशासन के आईटी सेल को दें। आपकी एक छोटी सी सतर्कता देश को बड़े वित्तीय और सामाजिक अपराधों से बचा सकती है।

## नबिर्ष

बरेली में जन सेवा केंद्र पर हुई यह छापेमारी हम सभी के लिए एक चेतावनी है। डिजिटल युग में जहां सुविधाएं बढ़ी हैं, वही साइबर अपराधियों और जालसाजों के हौसले भी बुलंद हुए हैं। बरेली पुलिस की यह मुसतैदी सराहनीय है जिसने समय रहते इतने बड़े रैकेट का अंत कर दिया। नागरिकों के तौर पर हमारी जिम्मेदारी है कि हम केवल प्रामाणिक तरीकों से ही अपने सरकारी दस्तावेजों को अपडेट कराएं और किसी भी प्रकार के शॉर्टकट या अवैध साधनों के प्रलोभन में न आएं।

## आपके सवाल, हमारे जवाब

बरेली के इस जन सेवा केंद्र में अवैध रूप से भारी मात्रा में नकली आधार कार्ड और पैन कार्ड जैसे महत्वपूर्ण सरकारी दस्तावेज बनाए जा रहे थे।

बरेली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके से मुख्य संचालक सहित कुल 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने भारी मात्रा में नकली आधार-पैन कार्ड, कंप्यूटर, हार्ड-टेक स्कैनर, प्रिंटर, क्लोन सॉफ्टवेयर और कई फरजी होलोग्राम जब्त किए हैं।

नहीं, पूछताछ में खुलासा हुआ है कि आरोपी कुछ अनधिकृत पोर्टल्स और एडिटिंग टूल्स का उपयोग करके हूबहू दखिने वाले नकली दस्तावेज प्रिंट करते थे।

आप UIDAI या आयकर विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर Verify Aadhaar PAN विकल्प के जरिए अपने दस्तावेज का स्टेटस ऑनलाइन चेक कर सकते हैं।

अधिकृत केंद्रों के पास सरकार द्वारा जारी डिजिटल सर्टिफिकेट होता है, साथ ही वहां आधिकारिक सेवाओं की सरकारी रेट लसिट अनविर्य रूप से प्रदर्शित होती है।

हां, पुलिस इसी बात की गहराई से जांच कर रही है कि कहीं इन नकली आईडी का उपयोग अवैध बैंक खाते खोलने या समि कार्ड लेने में तो नहीं किया गया।

आप तुरंत इसकी शिकायत स्थानीय पुलिस स्टेशन, जिला आधिकारिक शिकायत पोर्टल या नजदीकी साइबर सेल विभाग में दर्ज करा सकते हैं।

आरोपियों के खिलाफ घोखाधड़ी, फरजी दस्तावेज बनाने, आईटी एक्ट और सरकारी प्रतीकों के अवैध इस्तेमाल की गंभीर धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है।

जी हां, आप विभिन्न आधिकारिक सरकारी पोर्टल्स पर जाकर स्वयं भी सेवाओं के लिए apply online कर सकते हैं और पूरी तरह सुरक्षित रह सकते हैं।

बरेली पुलिस अब इस गरीह के पूरे नेटवर्क और अन्य साथियों की तलाश के लिए अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी और गहन जांच कर रही है।